

## भारत का पहला ज़ीरो-वेस्ट हवाई अड्डा

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में इंदौर स्थिति देवी अहलियाबाई होलकर हवाई अड्डा 3000 वर्ग फुट सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा के उद्घाटन के साथ [भारत का पहला ज़ीरो-वेस्ट हवाई अड्डा](#) बन गया ।

- अपशषिट प्रबंधन प्रणाली:
- नई [सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा](#) में हवाई अड्डे और वमिान दोनों से अपशषिट को अलग करने और पुनर्चक्रति करने के लयि एक व्यापक [अपशषिट प्रबंधन प्रणाली की सुविधा](#) है ।
- गीले अपशषिट को उर्वरक में परिवर्तति कयि जाएगा, जो [4R सदिधांत](#) पर आधारति हवाई अड्डे की ज़ीरो-वेस्ट पहल के अनुरूप होगा: [Reduce, Reuse, Recycle, and Recover](#) (कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनर्चक्रति करना, पुनर्स्थापति करना) ।
- वसितृत योजनाएँ:
- इसके अलावा, केंद्रीय नागरकि उड्डयन मंत्री ने घोषणा की क अगले तीन वर्षों में इंदौर हवाई अड्डे की क्षमता 40 लाख यात्रयियों से बढ़ाकर 90 लाख यात्री प्रतिवर्ष कर दी जाएगी ।
- थाईलैंड और अमेरिका सहति अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक कनेक्टविटि बढ़ाने के लयि एयरलाइनों के साथ चर्चा चल रही है ।
- बुनयिादी ढाँचा वकिसः
- केंद्रीय नागरकि उड्डयन मंत्री ने हवाई अड्डे पर 55 करोड रुपए की लागत से नरिमति नए हवाई यातायात नयितरण टावर का भी उद्घाटन कयि ।